27.5.22 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी व स्वयं वादी उप. नहीं श्री वकील वादी व स्वयं वादी को तीन बार आवाज लगाई गई बावजूद इन्तजार के नामा. से उप. नहीं श्री अत: वादी का वाद अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता श्री पत्रावली नतीजा उपरांत होकर बाद तामील तकमील के दाखिल दफ्तर हो

Signature Not Verified

Digitally signed by Pooja Meena
Date: 2024.04.30 10:48:30 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner